एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–04

नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

सत्रीय कार्य (जुलाई–2022 और जनवरी–2023) सत्रों के लिए

जुलाई–2022 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2023

जनवरी–2023 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2023

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

एम.एच.डी.–04 : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–04
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–04/टी.एम.ए./2022–23

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 10X4=40

   (क) एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जाएं और धोबी को ब्राह्मण कर दें, टके के वास्ते, जैसी कहो, वैसी व्यवस्था दें। टके के वास्ते झूठ को सच करें। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान। टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें।

   (ख) किंतु उस दिन यह सिद्ध हुआ कि
   जब कोई भी मनुष्य
   अनासक्त होकर चुनौती देता है इतिहास को
   उस दिन नक्षत्रों की दिशा बदल जाती है
   निर्यात नहीं है, पूर्व निर्धारित
   उसको हर क्षण मानव-निर्णय बनाता-मिटाता है।

   (ग) मैं खुद भी एक मज़दूर हूँ।
   मैं खुद भी एक किसान हूँ।
   मेरा पूरा जिस्म दर्द की तस्वीर है
   मेरी रग-रग में नफरत की आग भरी है।
   और तुम कितनी बेशर्मी से कहते हो कि
   मेरी भूख एक भ्रम और मेरा नंगापन एक ख्वाब।

   (घ) ''जन्मभूमि का प्रेम, स्वदेश प्रेम यदि वास्तव में अंतःकरण का भाव है तो स्थान के लोभ के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। इस लोभ के लक्षणों से शून्य देश प्रेम कोरी बकवास या फैशन के लिए गढ़ा हुआ शब्द है।''

   (ङ) '...मनुष्य को नंगा रखकर मनुष्य ने अपने मुनाफों के लिए बेशुमार कपड़ा तालों में बंद कर रखा, जहाँ वस्तु मनुष्य के लिए न होकर पैसे के लिए थी। कितना बड़ा व्यंग्य और विद्रूप था यह कि आज कपड़ा बनाने वाले स्वयं नंगे थे।''

2. 'स्कुदगुप्त' की रंगमंचीयता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10

3. 'आधे-अधूरे' में व्यक्त मध्यवर्गीय जीवन का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. 'अदम्य जीवन' में बंगाल के दारूण यथार्थ के चित्रण का विवेचन कीजिए। 10

5. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के महत्त्व और सामाजिक उपादेयता का विश्लेषण कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए: 5X4=20

   (क) 'ठकुरी बाबा' का प्रतिपाद्य
   (ख) साक्षात्कार का महत्त्व
   (ग) जीवनी और कहानी में अंतर
   (घ) आत्मकथा लेखन